शुक्रवार
09 सितम्बर 2022

पृष्ठ 4

ऑयल पुलिंग : मसूड़ों की सूजन से लेकर सांस की बदबू तक होगी दूर

पृष्ठ 5

सामंथा रुथ प्रभु ने की सोशल मीडिया पर वापसी

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 212
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अनुभव प्राप्ति के लिए काफी मूल्य चुकाना पड़ सकता है पर उससे जो शिक्षा मिलती है वह और कहीं नहीं मिलती।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ब्लैक फ्राइडे: अलग-अलग दुर्घटनाओं में 6 की मौत, दो घायल

कार खाई में गिरी चार की मौत, दो घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश-बदरीनाथ मार्ग पर ब्रह्मपुरी के समीप एक कार गहरी खाई में जा गिरी। जिसमें सवार तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक घायल को डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया। दो अन्य घायलों को भी रेस्क्यू कर राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश भेजा गया है।

घायल हुए वाहन चालक रविंद्र सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी उसाड़ा, उखीमठ, जिला रुद्रप्रयाग जिसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है, ने बताया कि वह आज सुबह हरिद्वार से पांच यात्रियों को लेकर बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुआ था। ब्रह्मपुरी के समीप उनकी कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। उन्होंने बताया कि यात्री महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। थाना प्रभारी मुनिकी रेती रितेश शाह ने बताया कि कार में सवार सभी लोग बदरीनाथ धाम के लिए जा रहे थे। ब्रह्मपुरी श्री राम तपस्थली आश्रम के समीप अचानक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। बताया कि घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल भेजा गया है जबकि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी है।

वहीं हादसे में घायल हुए एक यात्री रविन्द्र चव्हाण पुत्र महादेव चव्हाण निवासी ग्रेटर मुम्बई ने बताया कि यात्रा पर आये हम सभी पांचो आपस में दोस्त है। जिनमें से चार लोगों की मौत हो चुकी है।

बुलेरो दुर्घटनाग्रस्त, दो लोगों की मौत

पौड़ी। श्रीनगर क्षेत्र में आज सुबह भटोली गांव के समीप एक बुलेरो दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। जिसमें बुलेरो में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया और मृतकों को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली श्रीनगर पुलिस द्वारा एसडीआरफ को सूचना दी गयी कि भटोली गांव के पास एक बुलेरो दुर्घटनाग्रस्त ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सितारगंज जेल से 60 मोबाइल बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। केन्द्रीय कारागार सितारगंज के मैदान की खुदाई में 60 मोबाइल फोन, कई चार्जर और बैटरियां बरामद होने से हड़कंप मच गया हैं। कारागार अधीक्षक की ओर से इस मामले में मुकदमा दर्ज करा दिया है। जांच होगी कि जेल में मोबाइल कैसे पहुंचे और इनका उपयोग किस किस ने किया है।

उत्तराखण्ड की जेलों में सुरक्षा व्यवस्था कितनी चाक चौबंद है इसकी बानगी बीती रात सितारंगज जेल में सामने आयी है। बताया जा रहा है कि जेल में मोबाइल फोन प्रयोग के संदेह होने पर केन्द्रीय कारागार अधीक्षक अनुराग मलिक ने एक टीम का गठन जेल में छापेमारी के लिए किया था। टीम ने रात करीब 11 बजे कारागार की सभी बैरेकों की तलाशी ली लेकिन वहां कुछ संदिग्ध वस्तु नही पायी गयी। लेकिन जब टीम ने समीप के ही मैदान की भी खुदाई की गयी तो गड्ढे में दबाकर रखे गये 60 मोबाइल फोन, कुछ चार्जर व बैटरियां बरामद हुईं। सितारगंज जेल में इतनी बड़ी संख्या में मोबाइल फोन मिलने से हड़कंप मच गया। कारागार अधीक्षक मलिक ने इस मामले में कोतवाली सितारगंज में मुकदमा दर्ज कराते हुए

कहा गया है कि मोबाइल फोन से किसी के द्वारा कोई अवैध कार्य तो नहीं किया गया है, इसकी जांच की जाए। पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए तत्काल सम्बन्धित धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि सितारगंज जेल में कुछ समय पहले तीन फोन बरामद हुए थे। जिसके बाद जेल अधीक्षक द्वारा इस सम्बन्ध में जांच की बात कही गयी थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य की जेलों में इन दिनों कई गैंग सक्रिय है। पिछले कुछ समय पहले एसटीएफ ने राज्य की कई जेलों से गैंग आपरेट करने का भंडाफोड़ करते हुए कई बदमाशों के खिलाफ कार्यवाही की गयी थी। बहरहाल जेल में तलाशी लेने वाली टीम में बंदी रक्षक अरविंद कुमार, राम सिंह कपकोटी, अनुज कुमार, निखिल पाराशर, प्रकाश कुंवर, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, सूरज गोस्वामी, राम गिरी, प्रवीण बेलवाल, दीपक भट्ट, ललित नेगी, महिपाल कोरंगा, प्रभु सिंह आदि शामिल रहे।

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ का निधन

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ का 96 वर्ष की आयु में स्कॉटलैंड के बाल्मोरल महल में निधन हो गया है। बकिंघम पैलेस, यूनाइटेड किंगडम ने बताया कि बाल्मोरल में रानी एलिजाबेथ का निधन हो गया। उनकी जगह प्रिंस चार्ल्स को राजा बनाया गया है।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय महज 25 साल की थीं, जब ब्रिटेन की गद्दी पर उनकी ताजपोशी हुई थी। तब से लेकर अब तक करीब सात दशक से वे इस गद्दी पर काबिज थीं। कुछ समय से महारानी एलिजाबेथ कहीं आने-जाने में असमर्थ थीं इसलिए वह अपनी मुलाकातें लंदन के बकिंघम पैलेस की बजाय स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में कर रही थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलिजाबेथ के निधन पर दुख जताते हुए ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, 2015 और 2018 में यूके की अपनी यात्राओं के दौरान मेरी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के साथ यादगार मुलाकातें हुईं। मैं उनकी गर्मजोशी और दयालुता को कभी नहीं भूलूंगा। एक बैठक के दौरान उसने मुझे वह रूमाल दिखाया जो महात्मा गांधी ने उसे उनकी शादी में उपहार में दिया था।

पिछले 24 घंटे में कोरोना के 6,093 नए मामले दर्ज, ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.70 प्रतिशत

नई दिल्ली । भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 6,093 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,44,84,729 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 49,636 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 31 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,28,121 पर पहुंच गई है। इन 31 मामलों में वे 13 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुन:मिलान करते हुए केरल ने महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में

जोड़े हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 49,636 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.11 प्रतिशत है।

मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.70 प्रतिशत हो गई है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 1.96 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 1.88 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,39,06,972 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 214.55 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

हिमालय है तो हम हैं

हिमालय जल और वायु का है प्रदाता स्रोत है जिसके बिना आप ध रती पर जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं। जो प्राकृतिक संपदा इतनी महत्वपूर्ण हो उसके संरक्षण के प्रति हर किसी को संवेदनशील होने की जरूरत है लेकिन यह सच एक विडंबना है कि इसे लेकर हम कभी गंभीर नहीं रहे हैं। बीते कई दशकों से जो ग्लोबल वार्मिंग जैसे मुद्दे चर्चाओं के केंद्र में हैं उसके पीछे सबसे बड़ा कारण हमारी हिमालय के संरक्षण को लेकर बरती गई लापरवाही ही है। जिस तरह से आदमी के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उन सभी पांच तत्वों का संतुलन जरूरी होता है जिनसे शरीर की संरचना होती है ठीक उसी तरह प्रकृति के स्वास्थ्य के लिए भी वैसा ही संतुलन जरूरी है। हिमालय के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने की हमारे द्वारा बातें तो सदियों से की जाती रही हैं लेकिन उन पर अमल आज भी नहीं हो रहा है। हर साल हमारे देश में हिमालय दिवस मनाया जाता है। खासकर हिमालई राज्यों में हर एक हिमालय दिवस पर लाखों कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। व्याख्यान होते हैं पर्यावरणविद और सामाजिक संस्थानों के पदाधिकारी लंबे लंबे भाषण देते हैं लेकिन इस पल्ले झाड़ कथा का कोई लाभ हिमालय की सेहत को नहीं हो पाता है। अगर इसका कोई लाभ हुआ होता तो आज पर्यावरण संबंधी जिन समस्याओं का सामना समाज को करना पड़ रहा है कदाचित भी स्थिति ऐसी नहीं हो सकती थी। आज अगर धरती आग का गोला बनती जा रही है और पर्यावरण इस कदर दूषित होता जा रहा है कि जहां सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है। जलस्रोत सूखते जा रहे हैं और हमें केदारनाथ में 2013 में आई प्राकृतिक आपदा जैसी स्थितियों से दो-चार होना पड़ रहा है तो इसका कारण वह प्राकृतिक असंतुलन ही है जो हिमालय के साथ की जा रही छेड़छाड़ का ही नतीजा है। हमने इस साल केदारनाथ धाम यात्रा शुरू होने के बाद देखा था कि केदारघाटी को पर्यटकों द्वारा किस तरह गंदगी और प्लास्टिक के कचरे से पाट दिया गया था। जिस कारण पीएम मोदी को श्रद्धालुओं से अपील करनी पड़ी थी। यह तो महज एक उदाहरण भर हमारी लापरवाही का है करोड़ों पर्यटक और पर्वतारोही हिमालय पर कितना कचरा और गंदगी फैला चुके हैं इसका आकलन कर पाना भी मुश्किल है। बीते कुछ दिनों से विकास की अंधी दौड़ ने हिमालय का सीना छलनी कर दिया है। पहाड़ काटकर सुरंगे बनाई जा रही है और जंगल का सफाया करके सड़कें जिन पर फर्राटा जिंदगी के दौड़ने की बात कही जा रही है। इस दौर में किसी के भी पास यह सोचने समझने का समय नहीं है कि जब जिंदगी ही नहीं रहेगी तो इस विकास की सड़क पर कौन दौड़ेगा। हिमालय का संरक्षण कैसे संभव है उसके लिए क्या किया जाना जरूरी है? अगर अभी इस पर गंभीरता से नहीं सोचा तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। हिमालय हमारी विरासत ही नहीं जीवन रेखा भी है। हिमालय है तो हम हैं अगर हिमालय नहीं रहेगा तो हम भी नहीं रहेंगे।

हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र और क्षेत्र के संरक्षण के उद्देश्य से मनाया जाता है 'हिमालय दिवस'

हिमालय की पीड़ा से हम लोग सरकार और समाज को पिछले 30 वर्षों से अवगत करा रहे हैं। आज कुछ तथाकथित स्वयं सेवी संस्थायें सरकार से पैसा लेकर हिमालय दिवस मना रहे हैं और अपनी जेब भर रहे हैं। हिमालय दिवस हर साल उत्तराखंड में 9 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र और क्षेत्र के संरक्षण के उद्देश्य से मनाया जाता है। 2015 से उत्तराखंड सरकार ने 9 सितंबर को आधिकारिक तौर पर ष्हिमालय दिवसश्श के रूप में घोषित किया गया था।

हिमालय दिवस हिमालय के महत्व को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। खराब भवन योजना और डिजाइन, खराब बुनियादी ढांचे जैसे सड़कों, पानी की आपूर्ति, सीवेज आदि और पेड़ों की अत्यधिक कटाई के कारण हिमालय के पहाड़ी शहरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसका परिणाम गंभीर पारिस्थितिक मुद्दों में होता है। यह दिवस इस बात पर प्रकाश डालते हुए मनाया जाता है कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशील पहाड़ी नगर योजनाओं और डिजाइनों को विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है। हिमालय शक्ति का स्रोत है और पूरे विश्व के लिए एक मूल्यवान विरासत है। ऐसे में इसे संरक्षित करने की जरूरत है। यह दिन वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ावा देने के अलावा जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने में मदद करता है।

- लोकेन्द्र सिंह बिष्ट

हिमालय के संरक्षण में हम सभी की भागीदारी जरूरी: धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून/ऋषिकेश (कासं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने परमार्थ निकेतन ऋषिकेश में हिमालय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने श्री हरि मंदिर रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने हिमालय के संरक्षण हेतु शपथ दिलवाई एवं श्रीमद्भागवत गीता के ऊपर संक्षेप व सरल भाषा में लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालय के प्राकृतिक जल स्रोतों धारों, नालों के अध्ययन, संरक्षण और संवर्धन के लिए एक कमेटी के गठन किए जाने की बात कही, जो विभिन्न प्रयासों से हिमालय के प्राकृतिक जल स्रोतों को बचाने और संरक्षित करने का हर सम्भव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री ने हिमालय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिमालय के संरक्षण में हम सभी की भागीदारी जरूरी है। सरकार के दोनों दायित्व तय हैं, जहां एक ओर हिमालय के संरक्षण के प्रति गंभीर रहना है, तो दूसरी ओर विकास के प्रति भी उतना ही दायित्व निभाना है, ताकि हिमालय का पर्यावरण सुरक्षित रहे और यहाँ के निवासियों की आर्थिकी भी। समूचे हिमालय से जुड़े राज्यों के लिए यहाँ की अलग भौगोलिक और स्थानीय परिस्थिति के अनुकूल अलग विकास मॉडल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने नीति आयोग की बैठक में भी हिमालय के महत्वपूर्ण सरोकारों से जुड़े मुद्दों को साझा किया और इस संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव और प्रस्ताव साझा किए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में सामाजिक विकास की आवश्यकता है, हमें इकॉलोजी एवं इकोनॉमी को साथ में रखते हुए कार्य करना होगा। हिमालय की जैव विविधता को संरक्षित करना है। जब हिमालय बचा रहेगा, तभी जीवन बचा रहेगा।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हिमालय का किसी राज्य व देश के लिये ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिये महत्व है। हिमालय के संरक्षण का दायित्व, हम सभी का है। हिमालय के संरक्षण के लिये यहां की संस्कृति, नदियों व वनों का संरक्षण जरूरी है। विकास के साथ ही प्रकृति के साथ भी संतुलन बनाना होगा। प्रकृति के संरक्षण के लिये हिमालय का संरक्षण आवश्यक है। हिमालयी राज्यों को विकास के दृष्टिगत पारिस्थितिकी और आर्थिकी के समन्वय पर ध्यान देने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण उत्तराखण्ड वासियों के स्वभाव में है, हरेला जैसे पर्व, प्रकृति से जुड़ने की हमारे पूर्वजों की दूरगामी सोच का परिणाम है। पर्यावरण में हो रहे बदलावों, ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही जल, जंगल, जमीन से जुड़े विषयों पर समेकित चिंतन की जरूरत है। सामाजिक चेतना तथा समेकित सामूहिक प्रयासों से ही हम इस समस्या के समाधान में सहयोगी बन सकते हैं।

परमार्थ निकेतन के प्रमुख स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज ने हिमालय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पहाड़ी राज्य का प्रत्येक व्यक्ति हिमालय का प्रहरी है। हिमालय जैसे विराट भूभाग का संरक्षण ही असल मायनों में हमारे भविष्य का संरक्षण है। उन्होंने कहा गंगा, जलाशय, प्राकृतिक संसाधनों, ग्लेशियर का संरक्षण के साथ ही हिमालय का संरक्षण मुमकिन है। मां गंगा का अस्तित्व हिमालय एवं ग्लेशियर के अस्तित्व पर आधारित है, उन्होंने मुख्यमंत्री श्री धामी को एकल हनुमान सम्मान प्रदान करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी पर्यावरण के संरक्षण में हनुमान की तरह संकल्पित होकर अथक परिश्रम कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने कहा कि उत्तराखंड का वातावरण एवं पर्यावरण पूरे विश्व को अपनी ओर आकर्षित करता है। उन्होंने कहा यहां आने से नई ऊर्जा मिलती है। हिमालय के संरक्षण के साथ ही जीवनदायिनी मां गंगा का संरक्षण भी बेहद जरूरी है एवं पर्यावरण के संरक्षण में सभी की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने हर शुभ कार्य से पहले पौध ारोपण एवं उत्तराखंड के साथ ही पूरे भारत को प्लास्टिक मुक्त किए जाने हेतु आग्रह किया।

कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने ग्लोबल वार्मिंग, क्लाइमेट चेंज एवं बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रकृति पर्यावरण के साथ ही हिमालय ग्लेशियर का संरक्षण बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में वन विभाग जंगलों, प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के कार्य में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा हम सभी एवं आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण और हिमालय के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु संकल्पबद्ध होना पड़ेगा ।

पद्मश्री डॉ अनिल जोशी ने हिमालय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिमालय के संरक्षण हेतु चर्चा विचार एवं मंथन यहां के निवासियों, एनजीओ, शोध संस्थानो द्वारा गंभीरता से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा हिमालय के संरक्षण के साथ, वहां के मूल निवासियों का संरक्षण भी बेहद जरूरी है, जिसके लिए विकास और पर्यावरण में संतुलन बनाना होगा। उन्होंने कहा हमारा भविष्य तभी सुरक्षित है, जब हिमालय सुरक्षित होगा।

इस अवसर पर विधायक रेनू बिष्ट, विधायक गोपाल राम टम्टा, जिलाधि कारी पौड़ी विजय कुमार जोगदंडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी जसवंत सिंह चौहान, एकल भारत लोक शिक्षा परिषद से नीरज राय एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

एष स्य मित्रावरुणा नृचक्षा उभे उदेति सूर्यो अभि ज्मन।
विश्वस्य स्थातुर्जगतश्च गोपा ऋजु मर्तेषु वृजिना च पश्यन्
(ऋग्वेद ७-६०-२)
हे स्त्री और पुरुषों ! उदित सूर्य स्थूल जगत को प्रकाशित करता है। अंतर्यामी परमेश्वर स्थूल और सूक्ष्म दोनों प्रकार के जगत को प्रकाशित करता है। वह स्थावर और जंगम दोनों का रक्षक है। वह सब के कर्मों का दृष्टा है। वह कर्मों के अनुसार फल देता है।

O men and women ! The rising sun illuminates the gross world. The omniscient Supreme Lord illuminates both the gross and the subtle worlds. He is the protector of both the immovable and the movable. He is the seer of all deeds. He gives fruits according to the deeds. (Rig Veda 7-60-2)

हिमालय के लिये समग्र, सतत्, समावेशी विकास की नीति बने

टिहरी (सं)। वनाधिकार आन्दोलन के प्रणेता व भाजपा विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि हिमालय दिवस की अवधारणा 12 वर्ष पूर्व हम कुछ लोगों ने दिल्ली में दी थी। प्रसन्नता हो रही है, अब समाज का प्रबुद्ध वर्ग और मीडिया इस पर ध्यान दे रहा है। समय की आवश्यकता है कि हिमालय के लिये समग्र,सतत्, समावेशी विकास की नीति और इसे राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय एजेण्डा बनाकर ही इस उद्देश्य की पूर्ति हो सकेगी।

बैकडोर से हुई भर्तियों को लेकर कांग्रेस मुखर

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। प्रदेश में यूकेएसएसएससी और विधानसभा में बैकडोर से हुई भर्तियों को लेकर कांग्रेस मुखर हो गई है। कांग्रेस के बदरीनाथ विधायक राजेंद्र भंडारी ने कहा कि सरकार की मंशा यदि नेक है तो फिर वह इन घपलों की जांच सीबीआई से कराने में क्यों डर रही है।

रुद्रप्रयाग पहुंचे पूर्व मंत्री एवं बदरीनाथ विधायक राजेंद्र भंडारी ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि सरकार को रूलिंग जज की निगरानी में मामले की सीबीआई जांच करानी चाहिए ताकि सच सामने आ सके। एसटीएफ सरकार के नियंत्रण में है और वह बड़े आकाओं पर हाथ नहीं डालेगी। नगर पालिका सभागार में पत्रकारों से रूबरू होते हुए राजेंद्र भंडारी ने कहा कि सवालों के घेरे में आई सरकार जांच करें। वर्ष 2002 से जिसके भी कार्यकाल में बैकडोर से भर्तियां हुई, सभी की जांच की जानी चाहिए। उसमें जो भी दोषी होगा उसे सजा दी जानी चाहिए। भंडारी ने कहा कि सीबीआई जांच से ही बड़े लोगों पर जांच की आंच आ सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा जाग गए हैं, देहरादून में युवा बेरोजगारों के आंदोलन से सरकार की चूलें हिल गई हैं। आने वाले दिनों में यह आंदोलन और भी बड़ा होगा। कहा कि कांग्रेस शुरू से ही इस मामले को लेकर विरोध कर रही है। कांग्रेस के विरोध के बाद ही मामला उजागर हुआ और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग है यदि सरकार जनता और बेरोजगारों का हित चाहती है, तो शीघ्र मामले की सीबीआई जांच कराएं।

राजेंद्र भंडारी के नेतृत्व में होगा बेरोजगारों को न्याय दिलाने का आंदोलनः कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप एवं कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता सूरज नेगी ने संयुक्त बयान जारी करते हुए चमोली जिला पंचायत अध्यक्ष रजनी भंडारी के विरुद्ध चलाए गए चरित्र हनन अभियान को भाजपा की दूषित मानसिकता का परिचायक बताया है।

पार्टी के दोनों नेताओं ने कहा कि स्वयं रजनी भंडारी एवं उनके पति बद्रीनाथ के विधायक पूर्व मंत्री राजेंद्र भंडारी ने जब सीबीआई जांच की बात कर दी है तो फिर इसके बाद भाजपा द्वारा उनके विरुद्ध घृणित अभियान चलाए जाने का कोई औचित्य नहीं है। दोनों कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि रजनी भंडारी का इतिहास निष्कलंक रहा है। ऐसे में उन पर झूठे आर्थिक अनियमितताओं के आरोप मिथ्या दोष से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने भाजपाई आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया।

पार्टी के दोनों नेताओं ने कहा कि अगर बद्रीनाथ विधायक राजेंद्र भंडारी या उनके परिजन भ्रष्टाचार में लिप्त होते तो भंडारी विधानसभा की चौखट पर भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करने के लिए एक बड़े आंदोलन का बिगुल ना बजते। अब जब भाजपा भ्रष्टाचार पर चारों तरफ से अपने को घिरा देख रही है तो वह कांग्रेसी के कुछ बड़े नेताओं को जबरदस्ती इस आग में झुलसाने पर उतारू है जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त योग्य नहीं है। वहीं पार्टी के दोनों नेताओं ने कहा कि राजेंद्र भंडारी छात्र जीवन से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष एवं दो बार सरकारों में मंत्री रहे और गढ़वाल क्षेत्र से कांग्रेस के एक मजबूत स्तंभ है साथ ही उन्होंने बेरोजगार युवाओं को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका है। जिससे भाजपा भयभीत है। ऐसे में भाजपा द्वारा भंडारी व उनके परिवार को घेरने के कुत्सित प्रयास किए जा रहे हैं। जिसमें भाजपा को किसी भी प्रकार की कामयाबी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जल्द अपने भ्रष्टाचार में सम्मिलित मंत्रियों को मंत्रिमंडल से बाहर का रास्ता दिखाएं जिससे राज्य में एक स्वच्छ परंपरा स्थापित हो सके।

प्रदेश में जल्द सशक्त भू-कानून लाया जायेः भंडारी

नगर संवाददाता

देहरादून। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष मोहन भंडारी द्वारा आज कांग्रेस भवन देहरादून में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। यह प्रेस वार्ता प्रदेश के बाहर से आने वाले भू माफियाओं द्वारा उत्तराखंड में लगातार जमीनों पर किए जा रहे अवैध कब्जों के संबंध में की गई है।

मोहन भंडारी ने बताया की उत्तराखंड में वर्तमान में कोई ठोस भू कानून नहीं है जिसके चलते विगत कई वर्षों से प्रदेश के बाहर से आने वाले भूमाफिया सरकारी व कृषि भूमि पर प्रशासन की सांठगांठ से अवैध रूप से कब्जा कर प्रदेश की सरकार व जनता को चूना लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में उत्तराखंड के रामनगर में भी इसी प्रकार का एक मामला प्रकाश में आया है जहां गाजियाबाद निवासी भूमाफिया ने 5 एकड़ से अधिक भूमि एक व्यक्ति से कृषि हेतु खरीदी थी लेकिन बाद में उसमें बिना आज्ञा के अवैध रूप से कमर्शियल प्लॉटिंग करने लगा, जब स्थानीय लोगों ने इस संबंध में शिकायत की तब जाकर प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए भूमि की बिक्री पर रोक लगा दी गयी।

उन्होने बताया कि इसी प्रकार से छोइ में भी जो वन्यजीव कॉरिडोर था उसमें स्थित कृषि भूमि को भी भू माफियाओं ने खरीदा और वह भूमि का इस्तेमाल गैरकानूनी रूप से व्यवसायिक रूप से कर रहे हैं। भू माफियाओं द्वारा कॉर्बेट नेशनल पार्क के आसपास स्थित कृषि भूमि को खरीदकर बड़ी संख्या में गैरकानूनी रूप से व्यवसायिक रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। यही हाल राजधानी देहरादून और अन्य जिलों का भी है जो कि काफी गंभीर विषय है। उन्होने कहा कि कहीं न कहीं प्रशासन की मिलीभगत से इस प्रकार से कार्य किए जा रहे हैं जिसका नुकसान प्रदेश की जनता और सरकार को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होने कहा है कि उत्तराखंड में जितने भी बड़ी कृषि भूमि का विक्रय हुआ है उसकी जांच की जाए व यदि उनका गैरकानूनी रूप से व्यवसायिक भूमि में इस्तेमाल किया जा रहा है तो कानूनी कार्यवाही की जाए साथ ही उत्तराखंड में जल्द से जल्द सशक्त भू कानून लाया जाए।

कहा कि यदि हमारी मांगे नहीं मानी गई तो, एनएसयूआई भू माफियाओं व सरकार के खिलाफ प्रदेश व्यापी आंदोलन चलाएगी। प्रेस वार्ता में एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्याम सिंह चौहान, चमोली जिला अध्यक्ष संदीप सिंह नेगी, वाशु शर्मा, नमन शर्मा, सागर मनियारी, बुशरा अंसारी, मीनाक्षी सिन्हा, वैभव पाठक, ऐश्वर्या चौहान, हर्षिता सिंह, हिमांशी, शिक्षित आदि मौजूद रहे।

हिमालय दिवस पर ली पर्यावरण संरक्षण की प्रतिज्ञा

कार्यालय संवाददाता

टिहरी। नरेन्द्र नगर प्रखंड के अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज गजा, हाई स्कूल ओवरी, राजकीय उच्च प्राथमिक गजा, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुल्पी सेरा में आज हिमालय दिवश पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हिमालय के ग्लेशियरों को पर्यावरणीय संतुलन के लिए जरूरी बताया गया।

अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज गजा में कालेज के प्रधानाचार्य द्वारिका नाथ, ओवरी के प्रभारी प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिंह चौहान, जूनियर गजा के राकेश सिंह रावत तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुल्पी सेरा के प्रधानाध्यापक विजय सिंह ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया जाना चाहिए ताकि हमारा जल, जंगल, जमीन स्वच्छ रहे तथा इसी से हमारा जीवन है ।

हिमालय हमारा मस्तक है तथा जीवनदायिनी नदियों का उद्गम स्थल है । हमारे देश की रक्षा भी हिमालय से है इसलिए पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए आज हमें सोचना होगा । इस अवसर पर सभी शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्र छात्राओं ने प्रतिज्ञा ली ।

लोहाघाट में जोशी ने गणेश महोत्सव कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

कार्यालय संवाददाता

चम्पावत। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी शुक्रवार को जनपद चंपावत के लोहाघाट स्थित रामलीला मैदान में गणेश महोत्सव समिति लोहाघाट द्वारा आयोजित गौ-कथा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने कैबिनेट मंत्री का भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भगवान गणेश की पूजा अर्चना की ओर उनका आशीर्वाद लिया और साथ ही प्रदेशवासियों की खुशहाली की मंगल कामना भी की।

इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने गौ-कथा का भी श्रवण किया।कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि गौ-सरक्षण के लिए वह स्वयं एवं सरकार दोनो स्तरों पर प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर कथा वाचक व्यासाचार्य तारा दत्त जोशी, समिति के संयोजक गोविंद वर्मा, समिति के अध्यक्ष अमित, जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, भाजपा की प्रदेश मंत्री हेमा जोशी, मंडल अध्यक्ष महेश बोरा, पूर्व जिला अध्यक्ष रामदत्त जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता हयात सिंह मेहरा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय किसान सभा ने 11 सदस्यीय ग्राम कमेटी का किया गठन

नगर संवाददाता

देहरादून। चांदमारी(डोईवाला)के किसानों ने आज हरबंश सिंह की अध्यक्षता में अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक कर 11 सदस्यीय ग्राम कमेटी का गठन किया गया है। अखिल भारतीय किसान सभा के 18 सितम्बर को होने वाले डोईवाला मण्डल के सम्मेलन की तैयारियों के बीच चांदमारी में किसान सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक समपन्न हुई। जिसमें किसान सभा जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह व संयुक्त सचिव याकूब अली उपस्थित हुए।

बैठक को किसान सभा अध्यक्ष दलजीत सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार किसानों की समस्याओ के प्रति गम्भीर नहीं है, प्रदेश में पशुओं में लंपी वायरस ने कहर मचा रखा है। जिस कारण किसानों के पशु विशेषकर गायों की भारी संख्या में मृत्यु हो रही है और पशु चिकित्सा विभाग आंख मूँदकर किसानों की बर्बादी का नजारा देख रहा है। जिसको किसान अब बर्दाश्त नहीं करेंगे।

जिला संयुक्त सचिव याकूब अली ने कहा कि पशुओं में आई लंपी बीमारी के साथ साथ किसानों के धान में भी गम्भीर बीमारी के आने से किसानों की धान की फसल बर्बाद हो रही यही नहीं कुछ किसानों ने तो अपने खेतों में ध ान की खड़ी फसल के खेत की जुताई तक भी कर दी है जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन कृषि विभाग को कोई परवाह नहीं है। उन्होंने सरकार से ऐसे किसानों को मुआवजा देने की मांग भी की ताकि किसानों को पशुओं और फसल में हुए नुकसान की कुछ क्षतिपूर्ति हो सके।

बैठक को किसान नेता बलबीर सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा किअखिल भारतीय किसान सभा ही एक मात्र संगठन है जो दिन प्रति दिन किसानों की समस्याओं के लिये आवाज उठाता है और गम्भीरता पूर्वक किसानों के हक की लडाई के लिए आंदोलन करता है। उन्होंने दूधली से लेकर झबरवाला तक वन विभाग द्वारा सेंसेटिव जोन घोषित करने के प्रयास ,और इस क्षेत्र में बाघ द्वारा मवेशियों पर हमला करने और सुसवा नदी के प्रदुशित पानी के लिए ट्रीटमेंट प्लांट लगाने जैसे कई गम्भीर मुद्दे भी उठाए ,और कहा कि हमे गम्भीरता पूर्वक, मिलकर इन सबके खिलाफ आंदोलन करना पड़ेगा ।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए हरबंश सिंह (गुरु जी) ने कहा कि किसानों की लड़ाई किसी की व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है,उसके लिए सभी किसानों को लामबंद होने की जरूरत है। उन्होंने 11 सदस्यीय बनी ग्राम कमेटी से 18 सितम्बर को होने वाले मण्डल सम्मेलन में बढ़ चढ़ कर भाग लेने की अपील की।

विधायक ने दिया बांध प्रभावित ग्रामीणों के आंदोलन को समर्थन

नई टिहरी (आरएनएस)। बांध प्रभावित ग्राम तिवाड़ गांव व मरोड़ा के ग्रामीणों ने भूमि के बदले भूमि की मांग को लेकर सामूहिक धरना-प्रदर्शन झील किनारे तीसरे दिन भी जारी रखा। धरना स्थल पर पहुंचकर विधायक प्रतापनगर विक्रम सिंह नेगी ने अपना समर्थन देते हुये डीएम से दूरभाष पर बात कर ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने एक सूत्रीय मांग को लेकर टीएचडीसी व पुनर्वास के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। गुरूवार को मरोड़ा व तिवाड़ गांव के ग्रामीणों ने तीसरे दिन भी धरना-प्रदर्शन जारी रखते हुये पुर्नवास विभाग व टीएचडीसी के खिलाफ रोष जाहिर किया। विधायक नेगी ने कहा कि ग्रामीणों की मांग जायज है। जिनकी भूमि डुबी है, उन्हें भूमि दी जानी चाहिए। कहा कि यदि पुर्नवास व टीएचडीसी इस ओर ध्यान नहीं देता है, तो आंदोलन तेज कर लंबा चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि सार पूल, म्यंडा, कंगसाली, नौता, डगडोली, रौलाकोट में जनता के लिए वोट संचालित की जाती थी। जिसे टीएचडीसी ने बंद कर दिया। इसे संचालित किया जाना चाहिए। मांगों को लेकर ईडी का घेराव भी किया जायेगा। ग्रामीणों ने कहा कि जो उनक भूमि बांध के कारण जलमग्न हुई है। उसके बदले में उन्हें पुर्नवास नीती के तहत भूमि दी जाय। लगातार उनकी मांग को टालकर उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। पुनर्वास व टीएचडीसी उनकी इस मांग को लेकर मूकदर्शक बने हैं। 2004 में टिहरी जलाशय बन जाने के कारण कोटी गाड नामे तोक में ग्रामीणों की 200 नाली भूमि डुबी है।

ऑयल पुलिंग : मसूड़ों की सूजन से लेकर सांस की बदबू तक होगी दूर

पुराने समय से ही भारत में कई ऐसी तकनीकें इस्तेमाल होती आई हैं जो सेहत को फायदा पहुंचाने का काम करती हैं। इसी लिस्ट में शामिल है ऑयल पुलिंग। यह एक प्राकृतिक और हर्बल तरीका है और आयुर्वेद में भी इसका बहुत महत्व माना गया हैं।

दरअसल ऑयल पुलिंग अर्थात तेल से कुल्ला करने की विधि हैं जो सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचाने का काम करता हैं। जी दरअसल कई बड़े सेलेब्रिटी हैं जो अपनी सेहत और सुंदरता के लिए इसी तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। अब आज हम आपको ऑयल पुलिंग करने के तरीके और इससे मिलने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

क्या है ऑयल पुलिंग?- ऑयल पुलिंग का मतलब होता है तेल से कुल्ला करना। जी हाँ और इससे आयुर्वेद में कवाला या गंदुशा के नाम से जाना जाता है। गंडुशा में अपने मुंह को पूरी तरह से तेल से भरना पड़ता है और थोड़े समय बाद इसे बाहर थूकना पड़ता है। जी दरअसल इसमें और कवलग्रह में बस इतना अंतर है कि कवलग्रह में मुंह को पूरी तरह तेल से भरा नहीं जाता है। यहाँ मुँह से तेल को थूकने से पहले मुँह में हिलने की जगह होती है। नियमित रूप से ऑयल पुलिंग करने से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं। ऑयल पुलिंग के लिए जैतून या नारियल दोनों तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ऑयल पुलिंग करने का तरीका- ऑयल पुलिंग करने के लिए आप नारियल के तेल, तिल के तेल, सूरजमुखी के तेल या जैतून के तेल में से किसी एक तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। जी दरअसल हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार ऑयल पुलिंग करने का सबसे अच्छा समय सुबह खाली पेट है। इसके लिए एक बड़े चम्मच तेल को अपने मुंह में डालकर इसे 15 से 20 मिनट के लिए मुंह के अंदर चारों तरफ घुमाएं और कुल्ला करें। हालाँकि ध्यान रखें कि इस दौरान आपको तेल को बिल्कुल भी निगलना नहीं है। वहीं इसके बाद तेल को थूक कर सादे पानी या गर्म पानी से अच्छी तरह से कुल्ला कर लें। इसके बाद आप ब्रश कर लें।

कैविटी से बचाव- मुंह के हानिकारक बैक्टीरिया दांतों में प्लाक का कारण बनते हैं, जिससे कैविटी यानी दातों में खोखलेपन की समस्या हो जाती है। ऑयल पुलिंग के लिए तिल, नारियल और सूरजमुखी के तेल का इस्तेमाल किया जाता है। जी दरअसल इन तेलों में एंटीबैक्टीरियल गुण होता है, जो दांतों को नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया से लड़ते हैं। इसका इस्तेमाल करने से कैविटी की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

ऊर्जा में बढ़ोतरी- आयल पुलिंग का सबसे बड़ा लाभ है कि यह आपके शरीर की एनर्जी को बढ़ाता है।

मसूड़ों की सूजन दूर- तिल के तेल, सूरजमुखी के तेल और नारियल के तेल से होने वाले ऑयल पुलिंग के फायदे में मसूड़ों की सूजन को दूर करना भी शामिल है।

रोगप्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि- आयल पुलिंग से शरीर से परजीवी और विषाक्त पदार्थ साफ हो जाते हैं। इसके अलावा यह खून को शुद्ध करता है।

सांस की बदबू दूर- आयल पुलिंग सांस की बदबू से छुटकारा मिल सकता है।

सिरदर्द दूर करने के लिए- ऑयल पुलिंग प्रक्रिया मुंह को साफ करने के साथ-साथ माइग्रेन और सिरदर्द से छुटकारा दिलाने में भी असरदार है। स्किन के लिए फायदेमंद- ऑयल पुलिंग का रोजाना इस्तेमाल करने से हमारा खून धीरे-धीरे साफ नहीं लगता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -59

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

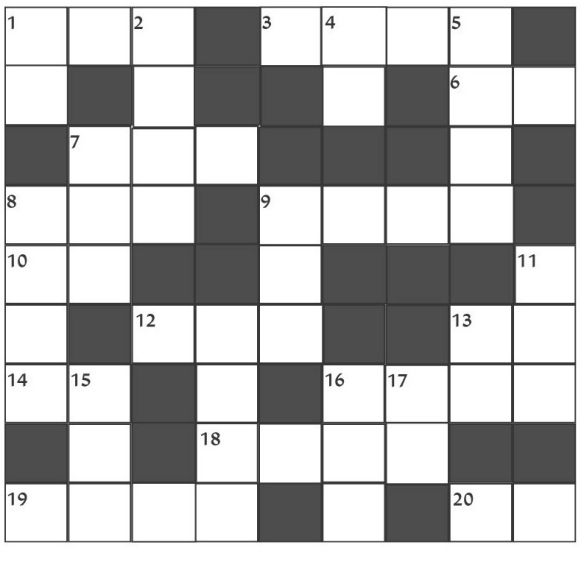

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 58 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

फिल्मों में वापसी के लिए तैयार है दिव्या स्पंदना, ट्वीट कर किया बड़ा ऐलान

कन्नड़ एक्ट्रेस दिव्या स्पंदना उर्फ राम्या ने ट्वीट कर बताया कि वह अब फिर से कमबैक कर रही हैं लेकिन इस बार राजनीति में नहीं बल्कि सिनेमा में। गणेश चतुर्थी के मौके पर दिव्या ने लिखा कि वह अपने बुटीक प्रोडक्शन हाउस एप्पल बॉक्स स्टूडियोज से फिल्म प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू करने वाली हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि फिलहाल वह दो फिल्में प्रोड्यूस कर रही हैं, जिन्हें कार्तिक गोडवा और केआरजी स्टूडियोज के योगी जी राज द्वारा डिस्ट्रिब्यूट किया जाएगा। दिव्या स्पंदना राजनीति से ब्रेक लेने के 3 साल बाद एक बार फिर से कमबैक के लिए तैयार हैं। साल 2019 में दिव्या ने राजनीति से ब्रेक ले लिया था और अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। दरअसल दिव्या कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल टीम की हेड थीं। दिव्या के इस्तीफे के बाद ऐसी अफवाहें उड़ी थीं कि वह कांग्रेस पार्टी के 8 करोड़ रुपये लेकर भाग गई हैं, जिसके बाद दिव्या ने इस मामले में अपनी सफाई दी थी और इन सभी अफवाहों को खारिज कर दिया था। अब दिव्या एक बार फिर से दिव्या वापसी कर रही हैं।

एक्ट्रेस दिव्या स्पंदना ने साल 2012 में फिल्मों को छोड़ दिया था और कांग्रेस पार्टी की यूथ विंग के सदस्य बन गई थीं। साल 2013 में दिव्या ने कार्नाटक की मंड्या निर्वाचन क्षेत्र से उप चुनाव जीता था और वह एमपी बन गई थीं। लेकिन अगले साल यानी 2014 में मोदी लहर के कारण वह आम चुनाव हार गई थीं।

जीवि-3 जरूर बनेगी : वीजे गोपीनाथ

हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म जीवी 2 की सफलता से उत्साहित निर्देशक वीजे गोपीनाथ का कहना है कि रोमांचकारी फ्रेंचाइजी का अगला पार्ट जीवी 3 होगा।

गोपीनाथ ने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि फिल्म का तीसरा भाग निश्चित रूप से होगा। यहां तक कि दूसरे भाग की पटकथा लिखते समय, मैंने तीसरे भाग को विकसित करने के लिए कई सुराग छोड़े थे।

निर्देशक का कहना है कि वह जिस भी लीड को तीसरे भाग में विकसित करने के लिए चुनते हैं, वह इसे एक फिल्म में बनाने पर काम शुरू करेंगे, जब वह स्क्रिप्ट के सभी पहलुओं के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त हो जाएंगे।

वर्ष 2019 में रिलीज हुआ था फिल्म जीवि का पहला भाग। इसने न केवल दर्शकों का दिल जीता, बल्कि फिल्म समीक्षकों से भी अविश्वसनीय समीक्षा प्राप्त की।

फिल्म के सीच्ल जीवि 2, जिसका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर हुआ, अहा तमिल को भी जीवी फ्रैंचाइजी के प्रशंसकों और प्रेमियों के बीच शानदार स्वागत मिला। फिल्म को आलोचकों और फिल्म प्रेमियों से भी प्रशंसा मिली, कुछ ने उम्मीद व्यक्त की कि फ्रैंचाइजी में एक तीसरा भाग होगा। (आरएनएस)

मोनिका ओ माय डार्लिंग में राजकुमार का लुक देख दीवाने हुए फैंस

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता राजकुमार राव को हाल ही में रिलीज हुई उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म मोनिका ओ माय डार्लिंग के फर्स्ट लुक के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने लगी है।

बता दें कि एक मर्डर मिस्ट्री, मोनिका ओ माई डार्लिंग एक नव-नोयर है जो लस्ट, ब्लैकमेल, विश्वासघात, ब्लड, व्होडुनिट, और कुछ रोबोट मानव खोपड़ी को कुचलने के बारे में बात कर रही है, दर्शकों को यह अंधेरे और शैतानी मोड़ से भरे रोलर कोस्टर की सवारी पर ले जाती है और इस क्राइम ड्रामा में बदल जाता है जहां अस्तित्व की कुंजी रखी हुई है।

पावरहाउस कलाकार, निस्संदेह, एक नए किरदार को गले लगाते हुए अपनी सीमाओं को और भी आगे बढ़ा देता है, मर्डर मिस्ट्री आगे बढ़ती है। प्रयास निश्चित रूप से रंग लाया क्योंकि राजकुमार, जिसे अक्सर टी से आम आदमी के किरदार में कदम रखने के लिए पहचाना जाता है, अब अपने परिवर्तन के बारे में प्रशंसकों के साथ तेज, शांत और दिलचस्प प्रदर्शन करते है।

जब से मोनिका ओ माई डार्लिंग के फर्स्टलुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हंगामा मचाया है, तब से समीक्षक और दर्शक विचित्र विषय और शानदार प्रदर्शन के बारे में सोच रहे हैं। इस माह की शुरुआत में इंस्पायरिंग इंडियन 2022 द्वारा राजकुमार को पाथब्रेकिंग एक्टर ऑफ द ईयर से नवाजा जा चुका है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सामंथा रुथ प्रभु ने की सोशल मीडिया पर वापसी

साउथ फिल्म अदाकारा सामंथा रुथ ने आखिरकार इंस्टाग्राम पर धमाकेदार वापसी कर ली। एक्ट्रेस बीते एक महीने से सोशल मीडिया डिटॉक्स पर थीं। जिससे एक्ट्रेस के फैंस के बीच खलबली मची हुई थी। अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इस सोशल मीडिया डिटॉक्स का ऐलान भी नहीं किया था। वो चुपचाप लंबे वक्त से इंस्टाग्राम से दूर रही तो फैंस अपनी फेवरेट एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर खासा मिस कर रहे थे। अब अदाकारा ने दमदार वापसी कर ली है। अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु ने गणेश चतुर्थी के दिन अपनी अपकमिंग फिल्म यशोदा का नया पोस्टर जारी कर इंटरनेट हिला डाला। इतना ही नहीं, इसके साथ अदाकारा ने फिल्म यशोदा के टीजर रिलीज डेट का ऐलान भी कर दिया है।

द फैमिली मैन 2 और पुष्पा के सुपरहिट गाने उ अंटावा के साथ देश भर के सिने दर्शकों को अपना दीवाना बना चुकीं अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। अब अदाकारा जल्दी ही फिल्म यशोदा में नजर आएंगी। ये एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। जिसमें अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु टफ एक्शन सीन्स करती दिखेंगी। जारी हुआ पोस्टर भी उनके दमदार एक्शन अवतार की एक झलक दिखा रहा है।

इस पोस्टर में अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु के माथे और नाक पर चोट लगी दिख रही है। जबकि वो कई सारी लड़कियों के बीच अकेले रफ एंड टफ लुक में नजर आ रही हैं। अदाकारा ने इस पोस्टर को जारी कर बताया है कि फिल्म यशोदा का टीजर आज 9 सितंबर को जारी होने वाला है।

दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म को निर्माता-निर्देशक पैन इंडिया स्तर पर जारी करने की तैयारी में हैं। इस फिल्म के निर्देशक हरेश नारायण हैं। द फैमिली मैन और पुष्पा की सफलता के बाद पहली बार सामंथा रुथ प्रभु को दर्शक सिल्वर स्क्रीन पर देखेंगे।

काव्या ने अपनी नई तेलुगु फिल्म की एक झलक साझा की

काव्या थापर, जो टिनसेल टाउन में हमारे पास सबसे सुन्दर अभिनेत्री यो में से एक है, ने हमेशा अपने सोशल मीडिया को अपने डांस मूव्स और कामुक तस्वीरों से भर दिया है, जिससे उनके सभी प्रशंसक उनकी सुंदरता के पीछे पागल हो जाते हैं। अत्यधिक सक्रिय रहने वाली अभिनेत्री काव्य थापर हर दिन अपने आने वाले काम की एक झलक साझा करके अपने सभी प्रशंसकों को बैक-टू-बैक सरप्राइज दे रही है।

अभिनेत्री ने अपने जन्मदिन पर अपने सोशल मीडिया पर अपनी आगामी तेलुगु फिल्म का एक पोस्टर साझा किया। ऊरु पेरू भैरवकोना, अधिक खुश नहीं हो सकतीं क्योंकि उन्होंने अपने सभी प्रशंसकों के साथ यह खबर साझा की। अभिनेत्री ने कहा, मैं अपनी फिल्म की घोषणा करते हुए बहुत खुश और रोमांचित महसूस कर रही हु, अग्रहरम गीता का मेरा किरदार जिसे मैं चित्रित कर रही हूं, मेरे वास्तविक जीवन में मेरे से एकदम ही ज़्यादा विपरीत है।

हालांकि चरित्र मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था जो चुनौतियों का सामना करना और खुद को गलत साबित करना किस्से पसंद नहीं होता है। मैंने संदीप किशन के साथ शूटिंग के दौरान भी बहुत अच्छा समय बिताया। वह वास्तव में भी दिल के बहुत अच्छे इंसान है. और में दिल से वास्तव में अपने सभी प्रशंसकों के लिए मुझे इस पहले न देखे कभी किरदार में देखने का इंतजार नहीं कर सकती , अभिनेत्री काव्या थापरी कहती हैं

काव्य थापर को पहले बार सन्दीप किशन के सात स्क्रीन साझा करते हुए देखा जायेगा और यह मूवी हस्या मूवीज़ द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली है। वी आनंद द्वारा लिखित एक पटकथा मूवी है।

फिल्म की आधिकारिक रिलीज की तारीख की घोषणा की जानी बाकी है, और हम गीता के चरित्र में अभिनेत्री को उसके सभी प्रशंसकों को विस्मित करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते, इसके अलावा, काव्या थापर जल्द ही मिडिल क्लास लव फिल्म में नज़र आने वाली है और फिल्म को संयुक्त रूप से अनुभव सिन्हा के बनारस मीडिया वर्क्स और ज़ी स्टूडियो द्वारा निर्मित किया है। यह फिल्म 16 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है..

किसी का भाई.. किसी की जान के फुल फ्लेज्ड रोल में लौटेंगे सलमान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को आज बॉलीवुड इंडस्ट्री का सुल्तान कहा जाता है। लेकिन सलमान खान को फिल्म इंडस्ट्री ने पहली बार 26 अगस्त 1988 को बीवी हो तो ऐसी के साथ स्क्रीन्स पर देखा गया था। जबकि, इस फिल्म में सलमान खान का रोल काफी छोटा था, उन्होंने एक साल बाद 1989 में मैंने प्यार किया के साथ इंडस्ट्री में अपनी स्थिति मजबूत की। ऐसे में अब 34 साल बाद सलमान खान बॉलीवुड इंडस्ट्री के बिगेस्ट सुपरस्टार्स में से एक हैं और इतने सालों के अपने सफर के दौरान उन्होंने इंडियन सिनेमा को कई सबसे बड़ी हिट्स और मोस्ट आइकोनिक ब्लॉकबस्टर्स दी हैं।

इस खास मौके को सलमान के फैन्स ने सेलिब्रेट किया है और सुपरस्टार ने अपने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक स्पेशल पोस्ट शेयर कर उनके इस प्यार को स्वीकार किया है। सलमान ने प्यार और समर्थन के लिए उन सभी को धन्यवाद दिया और इसके बाद अपनी नई फिल्म किसी का भाई की घोषणा की। किसी की जान को एक व्यक्तिगत अनोखे तरीके से जो उनके लिए सिग्नेचर है, क्योंकि सुपरस्टार अपने फैंस प्रशंसक को डायरेक्ट अपनी खबर साझा करने में विश्वास करते हैं।

सलमान द्वारा एक रीड करने वाले पोस्ट, जिसमें उनकी आने वाली फिल्म के बारे में एक नया वीडियो है, उन्होंने लिखा है, 34 साल पहले अब था और 34 साल बाद भी अब है। मेरे जीवन की यात्रा कहीं से भी शुरू हुई, जो अब और यहां 2 शब्दों से बनी है। मेरे साथ रहने के लिए धन्यवाद जो अब था और अब मेरे साथ रहने के लिए धन्यवाद। असल में इसकी सराहना करता हूं।

सलमान ने अपने अनोखे अंदाज में वीडियो के अंत में फिल्म के टाइटल का खुलासा करते हुए कहा है, किसी का भाई.. किसी की जान और हम सिर्फ सलमान पर भरोसा करते हैं कि वे फिल्मों की घोषणा करें और अपने फैंस को इस तरह के दिलचस्प तरीके से अपडेट दें।

सलमान खान की फिल्में देश भर में जश्न के साथ अपने आप में एक त्योहार बन गई हैं। उन्हें बॉक्स ऑफिस का सुल्तान और सिंगल स्क्रीन का राजा कहा जाता है, जिसे पिछले दशक में बड़े पैमाने पर सिनेमा की कल्चर को अकेले ही पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। वह 3 साल के लंबे समय के बाद किसी का भाई.. किसी की जान के साथ एक फुल फ्लेज्ड रोल में बड़े पर्दे पर लौटने वाले हैं, और सुनने में आ रहा है कि फिल्म उन सभी एलिमेंट्स से भरी हुई है जो एक सलमान खान की फिल्म से उम्मीद की जाती हैं - जैसे एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा , रोमांस और जबरदस्त म्यूजिक।

ऐसे में फैंस फिल्म पर एक आधिकारिक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और इस नए स्टिल और एक चिर्की कैप्शन के साथ, ऐसा लगता है कि उन्हें आखिरकार एक मिल गया है। और जैसा कि सलमान ने सुझाव दिया है कि यह अभी शुरुआत है, रास्ते में कई और अपडेट आने बाकी हैं। यह पोस्ट पिछले 34 साल में अपने फैंस से मिले सभी प्यार के लिए सलमान का एक जेस्चर है। जैसा कि वे कहते हैं, यह सलमान खान का जमाना है और हम बस इसमें जी रहे हैं!

कांग्रेस: अस्तित्व का संकट!

अवधेश कुमार

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक गुलाम नबी आजाद का इस्तीफा किसी एक नेता का पार्टी से अलग होना भर नहीं है। वास्तव में इस घटना ने फिर यह साबित किया है कि कांग्रेस के अंदर इसके पुनरुद्धार की उम्मीद खत्म हो गई है। आजाद ने कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे अपने 5 पृष्ठों के पत्र में कहा भी है कि कांग्रेस में चीजें इतनी बिगड़ गई हैं कि उनमें अब सुधार नहीं हो सकता।

कोई यह कह सकता है कि आजाद को पार्टी छोड़ना था तो उन्हें कई तरह के तर्क देने ही थे। निष्पक्षता से विचार करने वाले स्वीकार करेंगे कि उनकी यह पंक्ति वर्तमान कांग्रेस पर शत-प्रतिशत सही बैठती है। आजाद के इस्तीफे के पहले के दो दिनों में दो अन्य नेताओं ने प्रकारांतर से पार्टी के भविष्य को लेकर निराशा ही प्रकट की है। आजाद से एक दिन पहले कांग्रेस के युवा प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

उनसे पहले आनंद शर्मा ने हिमाचल प्रदेश की संचालन समिति छोड़ दी थी। आप देखेंगे कि कांग्रेस छोड़ने वालों वरिष्ठ एवं ख्यातिप्राप्त नेताओं की इतनी लंबी सूची हो गई है कि उनका नामोल्लेख करना संभव ही नहीं। 2022 में ही अश्विनी कुमार, हार्दिक पटेल, सुनील जाखड़ जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इनमें हार्दिक पटेल और सुनील जाखड़ भाजपा का दामन थाम चुके हैं। अगर अलग-अलग राज्यों में नजर दौड़ाएं तो स्थानीय स्तर के बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने और दूसरी पार्टी में शामिल होने की प्रतिस्पर्धा दिखाई देगी।

इन सब पर यह आरोप लगाना आसान है कि ये सारे लोग कांग्रेस और नेतृत्व के प्रति निष्ठा रखते ही नहीं। कांग्रेस छोड़ने वालों में ऐसे लोग शामिल हैं, जिनकी पूर्व की दो-दो पीढ़ियां पार्टी में रही है। स्वयं गुलाम नबी आजाद जैसे ने पांच दशक कांग्रेस में बताया है। जाहिर है कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व मंडल भले इसका उपहास उड़ाये, लेकिन भारतीय राजनीति के वर्तमान और भविष्य की दृष्टि से या गहरी चिंता का विषय है। इसलिए कि भारत की दृष्टि से भाजपा के समानांतर कोई एक अखिल भारतीय दल होना चाहिए। आजाद का बाहर जाना तो कांग्रेस में व्याप्त संकटों का एक लक्षण मात्र है।

वर्तमान स्थिति में ऐसे लोगों का कांग्रेस में रहना मुश्किल है जो पार्टी के भविष्य की दृष्टि से आंतरिक सुधार और पुनर्रचना के लिए चिंतित हैं, आवाज उठा रहे हैं और उसमें यह भी शामिल है कि नेतृत्व की बागडोर परिवार से बाहर किन्हीं और हाथों में जाए। ऐसे लोगों का पार्टी में रहना या बाहर रहना आज मायने नहीं रखता। वे होते हुए भी कुछ नहीं कर पा रहे। आजाद ही नहीं पार्टी में परिवर्तन की मांग करने वालों के लिए बने समूह जी 23 के ज्यादातर नेताओं की हालत पार्टी में रहते हुए भी न रहने जैसे ही हो गई थी। आप देखेंगे कि आजाद के प्रकरण पर इस समय पार्टी के अंदर सक्रिय नेताओं तथा बाहर जा चुके या अंदर रहते हुए भी बाहर होने की सदृश स्थिति में रहने वाले नेताओं के बयानों में जमीन आसमान का अंतर है। वैसे आजाद के पत्र में उठाए गए मुद्दे में ज्यादा मौलिकता नहीं है। बावजूद व्यवहार के स्तर पर कई बातें ऐसी हैं, जिन पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के 14 साल के लिए राहुल गांधी को मुख्य दोषी बताया है।

उन्होंने लिखा है कि यह सब इसलिए हुआ क्योंकि बीते आठ वर्षों में नेतृत्व ने एक ऐसे व्यक्ति को पार्टी पर थोपने का प्रयास किया जो गंभीर नहीं था। उनके अनुसार 2019 लोक सभा चुनाव में पराजय के बाद राहुल गांधी ने झुंझलाहट में अध्यक्ष पद से इस्तीफा अवश्य दिया, लेकिन उसके पहले सारे वरिष्ठ नेताओं को वे अपमानित कर चुके थे। वास्तव में राहुल गांधी को पार्टी के नायक की जगह खलनायक मानने वाले आजाद अकेले नहीं हैं। ज्यादातर वरिष्ठ नेताओं का यही मानना है। हालांकि पद पर रहने वाले भी यही मानते होंगे, लेकिन कृपाप्राप्त होने के कारण वे मुखर नहीं हो सकते या खुलकर नहीं बोल सकते।

कपिल सिब्बल ने ही सवाल उठाया था कि अगर पार्टी का कोई अध्यक्ष है ही नहीं तो फैसले कौन कर रहा है? उन्होंने कहा कि कोई तो कर रहा है। जाहिर है, उनका इशारा राहुल गांधी की ओर था। हार्दिक पटेल ने कांग्रेस छोड़ते समय राहुल गांधी पर ही आरोप लगाया था कि उनसे बात करना मुश्किल है और उन्हें राजनीति की समझ नहीं है। यह सच है कि राहुल गांधी ने यूपीए सरकार के समय से ही आवाज उठानी शुरू कर दी थी कि पार्टी में नई पीढ़ी को प्रमुखता मिलनी चाहिए। नई पीढ़ी की प्रमुखता की अपनी सोच में उन्होंने पुराने अनुभवी नेताओं की बातों को अनसुना करना आरंभ किया। आप देखेंगे कि पिछले वर्ष पांच विधानसभाओं के चुनाव हुए, लेकिन जी 23 के नेताओं का नाम स्टार प्रचार को तक में शामिल नहीं था। इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर के चुनाव के दौरान इनमें से ज्यादातर नेताओं के नाम शामिल नहीं थे।

तो इसका कारण क्या हो सकता है? क्या इसे किसी नेता का सम्मान कहेंगे? कांग्रेस केवल दो लोक सभा चुनाव ही नहीं पिछले 9 वर्षों में ज्यादातर विधानसभा चुनाव हारी है। आजाद ने ही बताया है कि 2014 से 2022 के बीच हुए 49 विधानसभा चुनावों में से हम 39 चुनाव हार गए। पार्टी ने केवल 4 राज्यों के चुनाव जीते और 6 मौकों पर उसे गठबंधन में शामिल होना पड़ा। अभी कांग्रेस केवल 2 राज्यों में शासन कर रही है और 2 राज्यों में गठबंधन में उसकी भागीदारी मामूली है। इसमें दो राय नहीं कि राहुल गांधी ने अपने कार्यों से स्वयं साबित किया है कि वे अयोग्य, अक्षम एवं गैर जिम्मेदार हैं। सोनिया गांधी ने व्यावहारिक रूप में 2013 में ही पार्टी उनके हाथों सौंपने की कुंडली 2014 चुनाव के लिए जितनी भी समितियां सबका नेतृत्व उन्हीं के हाथ में था। तो क्या कांग्रेस की इस दशा के लिए केवल राहुल गांधी को दोषी मान लिया जाए?

थोड़े शब्दों में कहें तो पार्टी का संकट इतना गहरा है कि उसके भरने की कोई गुंजाइश नहीं। ऐसा तभी हो सकता है जब पार्टी परिवार से बाहर आकर ऐसा सामूहिक नेतृत्व विकसित करें, जिसके अंदर कांग्रेस की पुनर्जीवित करने का ईमानदार संकल्प हो तथा वह भारत के अतीत वर्तमान और भविष्य के साथ वर्तमान राजनीति एवं आम लोगों के मनोविज्ञान की समझता हो। क्योंकि अभी दूर-दूर तक इसकी संभावना नहीं दिखती इसलिए या मानने में कोई समस्या नहीं कि सोनिया गांधी परिवार के नेतृत्व वाली कांग्रेस इतिहास का अध्याय बनने की ओर अग्रसर हो चुकी है।

कांग्रेस के विरोध की बेचैनी में केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल दिल्ली में भले भारतीय जनता पार्टी से लड़ते दिख रहे हैं लेकिन उनका असली निशाना कांग्रेस पार्टी है। केजरीवाल असल में भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत अभियान में अपनी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मान रहे हैं। तभी वे सिर्फ उन्हीं राज्यों में राजनीति करते हैं, जहां भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला है। जिस राज्य में कोई मजबूत प्रादेशिक पार्टी है वहां लड़ने नहीं जाते हैं। वे कांग्रेस विरोध में इतने बेचैन हैं कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से उनको परेशानी होने लगी है। तभी उन्होंने सात सितंबर से 'मेक इंडिया नंबर वन' अभियान की यात्रा निकालने का ऐलान किया है। ध्यान रहे कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा भी सात सितंबर को शुरू हो रही है। राहुल गांधी इस यात्रा का नेतृत्व करेंगे और इसकी शुरुआत सुदूर दक्षिण में कन्याकुमारी से हो रही है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भी इसकी शुरुआत के कार्यक्रम में शामिल होंगे। उसी दिन अरविंद केजरीवाल अपने गृह प्रदेश हरियाणा से 'मेक इंडिया नंबर वन' यात्रा शुरू करेंगे। सोचें, सात सितंबर कोई ऐतिहासिक तारीख नहीं है और न कोई धार्मिक महत्व की तिथि है लेकिन केजरीवाल भी उसी दिन अपनी यात्रा शुरू करेंगे। इसका मकसद कांग्रेस की यात्रा को फीका करना है। केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं और दिल्ली की मीडिया को अपने विज्ञापन के दम पर उन्होंने अपने साथ जोड़ा हुआ है। सो, जब दिल्ली से सटे हरियाणा से उनकी यात्रा शुरू होगी तो उसकी बड़ी मीडिया कवरेज होगी और कुछ हद तक कांग्रेस की यात्रा से ध्यान हटेगा। उनकी यह यात्रा पहले दो ही दिन चलेगी। उसके बाद आगे फिर कांग्रेस के कार्यक्रम के हिसाब से वे अपना प्रोग्राम बनाएंगे।

सू- दोकू क्र. 59

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.58 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

झारखण्ड में राजनैतिक उथल-पुथल

अजय दीक्षित

झारखण्ड की राजनीति में अचानक अंधड़ आ गया है । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लाभ के पद के तहत दागी पाये गये हैं । आश्चर्य है कि खुद मुख्यमंत्री और खनन मंत्री ने अपने नाम पत्थर खनन का पट्टा लिखवा लिया, लेकिन जब विपक्ष ने तमाम दस्तावेज और साक्ष्य सार्वजनिक कर दिये और राज्यपाल तक शिकायत पहुंच गई, तो लाभ के पत्थर छोड़ भी दिये । इतने नासमझ हैं मुख्यमंत्री सोरेन और इतने बेवकूफ सरकार के आला अफसर और मुख्यमंत्री के सलाहकार हैं! हेमंत सोरेन पहले भी मुख्यमंत्री रहे हैं । विधायकी के कायदे-कानून भी उन्होंने पढ़े होंगे कि किसी भी तरह की लाभ की खदान भ्रष्टाचार का ही पर्याय है । इसी आरोप में उनके पिता शिबू सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा था । बहरहाल आज वह राज्यसभा सांसद हैं । सोनिया गांधी को 2006 में सांसदी से इस्तीफा देना पड़ा था, क्योंकि यह यूपीए सरकार में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की अध्यक्ष थीं । इस पद में संशोधन किया गया । उन्हें दोबारा लोकसभा चुनाव जीत कर संसद में लौटना पड़ा । इसी तरह जया बच्चन उप्र फिल्म विकास निगम की अध्यक्षा थीं, लिहाजा उन्हें भी राज्यसभा की सदस्यता गंवानी पड़ी । हेमंत सोरेन ने तो लाभ की खदान के लिए बाकायदा आवेदन किया था । अपने अधीन मंत्रालय से जून, 2021 में उसे मंजूरी दिलाई गई। सितंबर तक पर्यावरण संबंधी प्रावधान भी पास करवा लिये गये । उन्होंने पत्थर खनन से मुनाफा कमाया अथवा कुछ भी हासिल नहीं किया, लेकिन संवैधानिक पद का दुरुपयोग तो किया और सत्ता के साथ-साथ खननकारी बनकर माल कमाने का बन्दोबस्त जरूर किया था यही बुनियादी तौर पर अपराध था । वैसे झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का भ्रष्टाचार से पुराना नाता रहा है । केन्द्र में पीवी नरसिंह राव सरकार के पक्ष में बहुमत के जुगाड़ के मद्देनजर तत्कालीन झामुमो नेताओं-शिबू सोरेन और सूरज मंडल आदि ने नकदी घूस कबूल की थी और पैसे को दिल्ली के बैंकों में ही जमा करवा दिया था । अदालत उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं कर सकी, क्योंकि उसे संसद के भीतर का घटनाक्रम मान लिया गया । लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री को अभियुक्त नंबर वन अदालत ने घोषित किया था और विज्ञान भवन में विशेष अदालत का निर्माण किया गया था। बहरहाल अब मुख्यमंत्री सोरेन की कुर्सी संकट में है । चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 के तहत जो अनुशंसा राज्यपाल रमेश बैंस को भेजी है, महामहिम उसे स्वीकार करने को बाध्यकारी हैं। चूंकि सम्पादकीय लिखने तक राज्यपाल का फैसला और अधिसूचना सार्वजनिक नहीं हुए थे, लिहाजा यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि आयोग ने 6 साल के लिए सोरेन को अयोग्य करार दिया है अथवा मुख्यमंत्री को इस्तीफा ही देना पड़ेगा, क्योंकि उनकी विधायकी रद्द कर दी गई है। ऐसे में सोरेन उच्च न्यायालय अथवा सर्वोच्च अदालत में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दे सकते हैं । यह भी सम्भव है कि सोरेन के इस्तीफे से जो सीट खाली होगी, उसी पर वह उपचुनाव जीत कर फिर विधायक बन सकते हैं । नतीजतन विधायक दल उन्हें मुख्यमंत्री भी चुन सकता है । उस स्थिति में राज्यपाल के लिए उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाना बाध्यकारी होगा । बहरहाल इस अंधड़ के बावजूद झारखण्ड में राजनीतिक समीकरण बदलने वाले नहीं हैं, क्योंकि झामुमो गठबंधन के पास कुल 52 विधायकों का समर्थन है। विधानसभा में कुल सदस्य 82 हैं। विपक्षी भाजपा के कुल 30 विधायक हैं। अलबत्ता भाजपा गठबंधन गदगद है, क्योंकि मुख्यमंत्री को बेनकाब करने की उनकी रणनीति कामयाब रही है। बिहार के बाद झारखंड भाजपा के लिए बेहद संवेदनशील राज्य है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में उसे 51 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे भाजपा उसी चुनावी स्वीकृति के माहौल को जिन्दा रखना चाहती है । उधर, हेमंत सोरेन ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि उन्हें बदनाम करने के लिए उनके खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है।

काबीना मंत्री गणेश जोशी ने किए गोलू देवता के दर्शन

चम्पावत (कासं)। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने चम्पावत पहुँचकर गोलू देवता के दर्शन किए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गोलू देवता की पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री हेमा जोशी, नगर अध्यक्ष कैलाश अधिकारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष गौरव पांडेय, राजेश उप्रेती, पूर्व जिलाध्यक्ष राम दत्त जोशी, सतीश पांडेय सहित कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चोरी की स्कूटी सहित दो शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। स्कूटी चोरी मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को चोरी की स्कूटी सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज रविंद्र सब्बरवाल पुत्र स्वर्गीय इंद्रसेन सब्बरवाल निवासी नेशनल रोड ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि किन्ही अज्ञात चोरों द्वारा उनकी स्कूटी चुरा ली गयी है। सूचना पर कायवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को कल देर शाम सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल दो लोग क्षेत्र में देखे गये है तथा वह कहीं भागने की फिराक में है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान कुसुम गेस्ट स्टे वाले मार्ग से सुमित निषाद पुत्र श्रीनाथ निवासी ऑफिसर्स कॉलोनी नई बस्ती व अमन पुत्र फिरोज हसन निवासी धर्मपुर चौक को चोरी की स्कूटी सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

हिंदी फीचर फिल्म 'धागे' का पोस्टर लॉन्च

देहरादून (कासं)। राजधानी दून के एक होटल में हिंदी फीचर फिल्म धागे का पोस्टर लॉन्च किया गया । देहरादून में फिल्म के निर्माता सोहन उनियाल उत्तराखंड के कल्चर को प्रमोट कर रहे हैं । इस फिल्म की 100 प्रतिशत शूटिंग उत्तराखंड में हुई है। आपको बता दें कि यह फिल्म धागे 16 सितंबर को रिलीज हो रही है। पूरे भारत में इसमें उत्तराखंड में हो रहे पलायन को भी दर्शाया गया है। फिल्म में सोहन उनियाल स्वयं विधायक के रोल में नजर आ रहे हैं । इस फिल्म को उत्तराखंड के सभी कलाकार सिंगर प्रमोट कर रहे हैं। इस अवसर पर सोहन उनियाल निर्माता और निर्देशक एस एन एल फिल्म माताजी कैला देवी पत्नी श्रीमती नीतू उनियाल जयानंद ब्यास अशोक चौहान निर्माताउत्तराखंड के गढ़ रत्न नरेंद्र सिंह नेगी, पद्मश्री जागर सम्राट प्रीतम भरतवाण, स्वर कोकिला मीना राणा, घनानंद धन्ना भाई उत्तराखंड के महान हास्य कलाकार, गायिका संगीता ढौडरियाल, बलदेव राणा उत्तराखंड के कलाकार, गायक गजेंद्र राणा ,आरती गॉड जिला पंचायत सदस्य यम्केश्वर ब्लॉक आदि उपस्थित थे।

बुलेरो दुर्घटनाग्रस्त, दो लोगों की मौत

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

हो गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया और बुलेरो सवार दो मृतकों को बाहर निकाला। जिनके नाम अर्जुन सिंह पुत्र धर्म सिंह व देव सिंह पुत्र स्व. बलबीर सिंह निवासी भटोली गांव पौड़ी बताया जा रहा है।

प्रेमिका से मिलने आये युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

हमारे संवाददाता

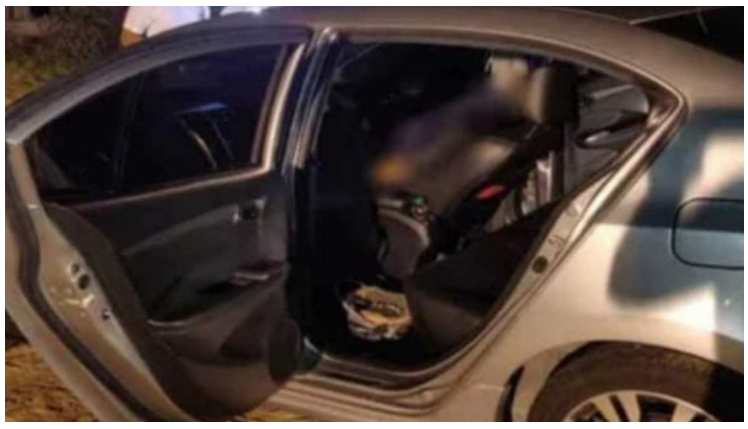

उत्तरकाशी। उजेली क्षेत्रांर्तगत एक पार्क में खड़ी कार में संदिग्ध अवस्था में एक युवक का शव देखा गया तो क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। बताया जा रहा कि युवक अपनी प्रेमिका से मिलने नैनीताल से उत्तरकाशी आया था। जिसकी प्रेमिका किसी सरकारी विभाग में कार्यरत बतायी जा रही हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी के उजेली क्षेत्र स्थित पार्क में खड़ी कार में एक युवक संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला, मामले की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने युवक को 108 द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक के पास मिले कागजों से उसकी पहचान भूपेश चंद्र बहुगुणा निवासी ओखल कांडा नैनीताल के रुप में हुई।

पुलिस के अनुसार भूपेश के मोबाइल पर एक फोन आया था, जिसने स्वयं को भूपेश का भाई सूरज बताया और कहा कि भूपेश का उत्तरकाशी में किसी युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती सरकारी विभाग में कार्यरत हैं और हाल में ही उसका उत्तरकाशी में स्थानांतरण हुआ है। अपनी प्रेमिका से मिलने वह नैनीताल से उत्तरकाशी आया था, लेकिन युवती द्वारा शादी से इंकार करने पर उसने जहर खा लिया।

यह जानकारी भूपेश ने उसे बुधवार रात्रि करीब 11 बजे दी थी। बहरहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

एनजीओ, ट्रस्ट व फाउंडेशनों को बैठक 12 को: मर्तोलिया

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़ । जिले के एनजीओ, ट्रस्ट तथा फाउंडेशनों की एक आवश्यक बैठक 12 सितंबर को जिला मुख्यालय में आयोजित की जा रही है। उत्तराखंड के एनजीओ के सांझा मंच की ओर से सोच संस्था के अध्यक्ष जगत मर्तोलिया ने बताया कि उक्त तिथि को 11 बजे से जिला पंचायत पिथौरागढ़ के सभागार में बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने बताया कि बैठक में राज्य स्तरीय सांझा मंच बनाएं जाने की मुहिम पर विचार विमर्श कर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में पंजीकृत एनजीओ, ट्रस्ट, फाउंडेशनों को बैठक में आंमत्रित किया गया है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

देहरादून। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक पिकअप वाहन के खाई में गिर जाने से जहां एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं दूसरा गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक व घायल को बाहर निकाला और घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना चकराता पुलिस को सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन ग्राम कवरना चकराता के समीप खाई में गिर गया है। जिसमें 2 व्यक्ति सवार थे। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर चालक जितेंद्र दास पुत्र दासी दास निवासी ग्राम कवरना को घायल अवस्था में पाकर अस्पताल पहुंचाया वहीं टीकम सिंह राणा पुत्र रतीराम निवासी ग्राम मगरौली थाना चकराता की मौके पर ही मौत के कारण उसका शव कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

नशीले इंजेक्शन की तस्करी में दम्पत्ति गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

98 नशीले इंजेक्शन बरामद

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त एक दम्पत्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 98 नशीले इंजेक्शन व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है। गिरफ्तार दम्पत्ति का एक साथी फरार है जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना वनभूलपुरा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को इन्द्रानगर चैक पोस्ट पर बाइक सवार दो संदिग्ध लोग आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोक कर पूछताछ की तो उन्होने अपने आपको पति पत्नी बताते हुए अपना नाम शोएब पुत्र आफताब व साजिया पत्नी शोएब निवासी ढोकल बस्ती थाना बनभूलपुरा बताया।

पुलिस ने उनके कब्जे से 98 नशीले इंजैक्शन व 760 रूपये बरामद किये। उन्होने बताया कि जिस आदमी से हम यह नशीले इंजैक्शन लेकर आये थे उसका नाम अमन सिद्दीकी पुत्र आफताब सिद्दीकी है। पुलिस अब उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शोहेब पहले भी नशा तस्करी के आरोपों में जेल की हवा खा चुका है। बहरहाल पुलिस ने दम्पत्ति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

सुप्रीम कोर्ट ने गोवा के कर्लीज रेस्टोरेंट पर बुल्डोजर चलाने पर लगाई रोक

नई दिल्ली। गोवा सरकार द्वारा कर्लीज रेस्टोरेंट को गिराने की प्रक्रिया शुरू करने के कुछ घंटों बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने इसपर रोक लगा दी। हालांकि, कोर्ट ने उसके विध्वंस को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख 16 सितंबर निर्धारित करने तक अपने कमर्शियल ऑपरेशन को निलंबित करने का निर्देश दिया। बता दें कि फोगाट अपने होटल लौटने और बेचैनी की शिकायत

से पहले इसी रेस्टोरेंट में गई थीं। गोवा के मशहूर अंजुना बीच पर स्थित यह रेस्टोरेंट हाल ही में उस वक्त चर्चा में आया जब भाजपा नेता सोनाली फोगाट को उनकी मौत से कुछ घंटे पहले वहां पार्टी करते देखा गया था। इसके मालिक एडविन नून्स मौत के मामले में गिरफ्तार किए गए चार लोगों में शामिल थे। मगर बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। वैसे ये पहला मौका नहीं है जब गोवा का कर्लीज रेस्टोरेंट का चर्चा का विषय बना हो। गोवा का कर्लीज रेस्टोरेंट 14 साल पहले ये रेस्टोरेंट उस समय सुर्खियों में रहा था जब एक ब्रिटिश किशोरी की मौत हो गई थी। यह रेस्तरां 2008 में ब्रिटिश किशोरी स्कारलेट ईडन कीलिंग की मौत की जांच के दौरान सुर्खियों में आया था।

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को ज्यूरिख में डायमंड लीग फाइनल में पहला स्थान हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। नीरज चोपड़ा डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 88. 44 मीटर भाला फेंक चेक गणराज्य के जैकब वादलेच्चो को पछाड़कर यह खिताब अपने नाम किया है। उन्होंने पांचवें प्रयास में 86.94 मीटर भाला फेंका। हरियाणा, पानीपत के 24 वर्षीय नीरज ने 2017 और 2018 में डायमंड लीग के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था, लेकिन तब वह सातवें और चौथे स्थान पर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीरज चोपड़ा को डायमंड लीग

ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय बनने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने भारतीय एथलीट को बधाई देते हुए कहा, उन्होंने अपने क्षेत्र में महान समर्पण और निरंतरता का प्रदर्शन किया है। पीएम मोदी ने आगे कहा, उनकी बार-बार की सफलताओं से पता चलता है कि भारतीय एथलेटिक्स महान प्रगति कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने केरल के पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को जमानत दी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अक्टूबर 2020 में उत्तर प्रदेश के हाथरस जाते समय गिरफ्तार किए गए केरल के पत्रकार सिद्दीकी कप्पन की जमानत याचिका शुक्रवार को स्वीकार कर ली। कप्पन को अक्टूबर हाथरस में कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार पीड़िता की मौत के बाद वहां जाते वक्त रास्ते में गिरफ्तार कर लिया गया था। प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित की अगुवाई

वाली पीठ ने कप्पन को निर्देश दिया कि वह उत्तर प्रदेश की जेल से रिहा किए जाने के बाद आगामी छह सप्ताह तक दिल्ली में ही रहें। पीठ ने उन पर अपना पासपोर्ट जमा कराने और हर सोमवार को पुलिस थाने में रिपोर्ट करने समेत कुछ शर्तें भी लगाईं। यूपी सरकार ने इस हफ्ते की शुरुआत में कप्पन की जमानत याचिका का विरोध करते हुए आरोप लगाया था कि उसके पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उसकी छात्र शाखा कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई) जैसे आतंकी-वित्त पोषण संगठनों से संबंध हैं। केरल के पत्रकार कप्पन को अक्टूबर 2020 में उत्तर प्रदेश के हाथरस जाते समय गिरफ्तार किया गया था, जहां कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार के बाद एक दलित युवती की मौत हो गई थी। कप्पन ने इस मामले में जमानत के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया।

धामी के सामने युवाओं का भरोसा जीतने की चुनौती

भर्ती घोटालों के डैमेज कंट्रोल का प्रयास

विशेष संवाददाता

देहरादून। भर्ती घोटालों के खुलासे के बाद जहां युवा बेरोजगारों में भारी आक्रोश है वही चारों तरफ से इन घोटालों की सीबीआई जांच की उठ रही मांग को लेकर सरकार दबाव में है। मुख्यमंत्री धामी अब प्रदेश के युवाओं को भरोसा दिला रहे हैं कि उनके साथ अन्याय नहीं होने देंगे, भर्तियों को जारी रखा जाएगा। वहीं दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी होगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज मुख्यमंत्री धामी द्वारा युवाओं की नाराजगी दूर करने के लिए कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। जिसमें राज्य में होने वाली सात से आठ हजार उन भर्तियों को शीघ्र करने का फैसला भी शामिल है जो यूकेएसएसएससी पेपर लीक की घटना के कारण अधर में लटकी हुई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अब इन भर्तियों को लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से कराने की

❑जांच के बीच भी भर्तियां जारी रहेंगी
❑महिलाओं व युवाओं पर बड़े फैसले संभव

घोषणा कर चुके हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज कैबिनेट की बैठक में इसका प्रस्ताव पास हो सकता है।

यही नहीं महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे पर आज कैबिनेट में बड़ा फैसला हो सकता है। हाई कोर्ट द्वारा इस पर रोक लगा दिए जाने से राज्य की महिलाओं में भारी आक्रोश है उनका कहना है कि जिन महिलाओं ने राज्य आंदोलन में अग्रणीय भूमिका निभाई आज उन्हें ही हाशिए पर धकेल दिया गया है। समझा जा रहा है कि सरकार इसके लिए विधेयक लाकर उन्हें बड़ा तोहफा दे सकती है। वही राज्य आंदोलनकारियों को 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण की जो फाइल राजभवन से लौटकर आ गई है उस पर भी सरकार कोई फैसला ले सकती है।

दरअसल भर्ती घोटालों के खुलासे और भाजपा नेताओं के सगे संबंधियों को बैक डोर से भर्ती किए जाने के खुलासे के बाद प्रदेश के युवाओं व आम जनता में सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है जो जांच के आदेश व तमाम अन्य कार्यवाहियों के बावजूद भी थम नहीं रहा है धामी सरकार अब इसके डैमेज कंट्रोल में जुटी हुई है। भले ही वह इन घोटालों की सीबीआई जांच से बच रही हो लेकिन युवाओं के लिए रोजगार के दरवाजे खोल कर उनके विरोध को थामने की कोशिश कर रही हैं।

भर्ती घोटालों की जांच पर त्रिवेंद्र ने की धामी व खंडूरी की तारीफ

विशेष संवाददाता

देहरादून। दिल्ली दौरे से वापस लौटे पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने यूकेएसएसएससी और विधानसभा में बैक डोर भर्तियों की जांच को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी की तारीफ करते हुए कहा है कि भर्ती घोटालों की जांच सही दिशा में चल रही है।

पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह इस भर्ती घोटाले को लेकर अब तक तीखी टिप्पणियों के जरिए अपनी ही पार्टी को असहज करते रहे हैं लेकिन दिल्ली दौरे के बाद उनके स्वर बदले-बदले दिख रहे हैं। यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में वह आयोग के अधिकारियों को कटघरे

❑सही दिशा में चल रही है जांच

में खड़े करते रहे लेकिन अब वह एसटीएफ से इसकी जांच को सही ठहरा रहे हैं और धामी के फैसले को ठीक बताते हुए कह रहे हैं कि उनके द्वारा लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से भर्तियां कराने का निर्णय सही है इससे युवा बेरोजगारों में जो निराशा का भाव आया है वह दूर होगा।

त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने बैक डोर भर्तियों की जांच के लिए समिति बनाकर यह साफ कर दिया है कि इसका सच सबके सामने आएगा और दोषियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर किन मुद्दों पर बात हुई तो उन्होंने कहा कि उनकी केदारपूरी के निर्माण कार्य और बद्रीनाथ में पुनर्निर्माण कार्य के अलावा अगले साल होने वाले भाजपा राष्ट्रीय संगठन के चुनाव पर भी बात हुई। उन्होंने कहा कि एक साल बाद नए पार्टी अध्यक्ष और संगठन के चुनाव होने हैं।

जिला पंचायत टिकट न मिलने पर भाजपा कार्यालय में हुई हाथापाई

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिला पंचायत चुनाव की सरगर्मियों के बीच टिकट आवंटन को लेकर कार्यकर्ता जमकर बवाल कर रहे हैं बीती शाम भी जगजीतपुर स्थित जिला भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष डॉ जसपाल सिंह का विरोध करते हुए उनकी गाड़ी रोक ली इस दौरान एक भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा गाड़ी के बोनट पर मुक्का मार देने के बाद चालक की भाजपा कार्यकर्ताओं से जमकर धक्का-मुक्की हुई है। जिसका वीडियों सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

बता दें कि आज सुबह से हरिद्वार में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जो जगजीतपुर में बने भाजपा कार्यालय का है। बताया जा रहा है कि वीडियो में नजर आ रहे जिलाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह शाम के समय कार्यालय से निकलने की तैयारी कर रहे हैं कि तभी काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और टिकट के दावेदार जिलाध्यक्ष की

गाड़ी के आगे आ गए उनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि जिला अध्यक्ष ने अपने चहेतों को जिला पंचायत सदस्य के टिकट बांट दिए जबकि वे पिछले कई सालों से पार्टी की सेवा करने में लगे हुए हैं। सोशल मीडिया में जारी इस वीडियों में दिखाया गया है कि इसी दौरान जिलाध्यक्ष के चालक ने अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी जबरन वहां से निकालनी चाहिए तो उसके आगे और भाजपा कार्यकर्ता आ गए इसी दौरान किसी कार्यकर्ता ने गाड़ी के बोनट पर मुक्का दे मारा जिससे उसमें डेंट पड़ गया। इस पर चालक गुस्से में आ गया और उसने गाड़ी से उतर मुक्का मारने वाले के ऊपर हाथ छोड़ दिया। जिस पर उसकी भाजपा कार्यकर्ताओं से धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस दौरान जयपाल सिंह भी गाड़ी से उतरे और उन्होंने किसी तरह लोगों को शांत कराया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।